आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 329 | उज्जैन, रविवार 19 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

स्वच्छता, वृक्षारोपण और जल संरक्षण को जीवन का संकल्प बनाएं-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगवान धनवंतरी ने अमृत के रूप में स्वास्थ्य, आयु और ऊर्जा का संदेश दिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण चिकित्सा विज्ञान के साथ ही पर्यावरण की शुद्धता से संभव है। उन्होंने कहा कि जब तक हमारा जल, वायु और भूमि प्रदूषणमुक्त नहीं होंगे, तब तक किसी भी चिकित्सा पद्धति के परिणाम स्थायी नहीं हो सकते। उन्होंने छात्रों और चिकित्सकों का आह्वान किया कि वे चिकित्सा के साथ-साथ स्वच्छता, वृक्षारोपण और जल संरक्षण को जीवन का संकल्प बनाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीहोर जिले के ग्राम गादिया-बिलकिसगंज स्थित मानसरोवर मेडिकल कॉलेज में धनतेरस के अवसर पर शनिवार को आयोजित धनवंतरी पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जल से हम सभी के जीवन की उत्पत्ति हुई है, वैसे ही जीवन की रक्षा और स्वास्थ्य का आधार भी जल से ही जुड़ा है। भगवान धनवंतरी समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और उन्होंने अमृत के रूप में स्वास्थ्य, आयु और ऊर्जा का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान धनवंतरी आयुर्वेद के प्रथम आचार्य माने जाते हैं, जिन्होंने मानवता को स्वस्थ और दीर्घायु रहने का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि धनतेरस केवल धन-संपदा की पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमें शरीर, मन और आत्मा की पवित्रता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एलोपैथी, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं न कि प्रतिस्पर्धी। एलोपैथी जहां त्वरित राहत देती है, वहीं आयुर्वेद शरीर की जड़ों से रोगों को खत्म करता है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भगवान धनवंतरी का संदेश केवल औषधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका संदेश है कि ÷स्वास्थ्य ही जीवन का सच्चा धन है।

बेंगलुरु में महिला से चेन छीनने के बाद काट दी उंगली, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। 2 लोगों ने एक महिला से लूटपाट की और धारदार हथियार से उसकी उंगलियों को काट दिया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के अनुसार, उषा और वरलक्ष्मी नामक दो महिलाएं 13 सितंबर को गणेश पर्व मनाकर घर वापस लौट रहीं थीं। तभी प्रवीण और योगेंद्र नामक दो व्यक्ति बाइक से पहुंचे और मिला की चेन खींचने की कोशिश की। बेंगलुरु पुलिस का कहना है, छीना झपटी के दौरान उषा ने डर के मारे अपनी चेन आरोपियों को दे दी, लेकिन वरलक्ष्मी ने लूटपाट का विरोध किया। इस दौरान आरोपियों ने धारदार हथियार से वार किया और वरलक्ष्मी की 2 उंगलियां कट गईं।

पुलिस ने किया था स्क्वॉड का गठन- दोनों महिलाओं से 55 ग्राम सोना लूटने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही थी। पुलिस ने इसके लिए स्पेशल इंवेस्टिगेटिव टीम का गठन किया था। पुलिस को आरोपियों के पास 74 ग्राम सोने के साथ धारदार हथियार भी मिला है।

साबरकांठा में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प, 30 से ज्यादा गाड़ियां फूंकी और 10 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के साबरकांठा में 2 गुटों के बीच अचानक झड़प हो गई। इस दौरान इलाके में हिंसा छिड़ गई और आगजनी की घटनाएं देखने को मिली। कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। वहीं,इस हिंसक झड़प में 10 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने फौरन एक्शन लेते हुए 20 लोगों को हिरासत में लिया है। यह मामला साबरकांठा के माजरा गांव का है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान डीवाईएसपी अतुल पटेल ने बताया कि रात को तकरीबन 10:30 बजे पत्थरबाजी और आगजनी के साथ-साथ तोड़फोड़ की गई, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल पैदा हो गया था।

पुलिस ने दर्ज की FIR अतुल पटेल के अनुसार, बीती रात 10:30 बजे माजरा गांव में आगजनी और पथराव की घटना हुई। पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है। इसमें लगभग 110-120 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

RSS के कार्यक्रम में शामिल होने पर नप गए पंचायत अधिकारी, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में एक पंचायत अधिकारी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक कार्यक्रम में शामिल होना भारी पड़ गया। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अधिकारी के खिलाफ पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके बाद अधिकारी को निलंबित कर दिया गया।

दरअसल, पंचायत विकास अधिकारी प्रवीण कुमार केपी 12 अक्टूबर को आरएसएस की वर्दी पहनकर आरएसएस शताब्दी समारोह में भाग लेने पहुंचे। जिसके चलते उन्हें निलंबित कर दिया गया। यह घटना कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर इस संगठन की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए नियम लाने के कुछ दिनों बाद हुई है। इस कार्रवाई की निंदा करते हुए भाजपा ने कांग्रेस की विकृत और हिंदू-विरोधी मानसिकता की निंदा की है।

क्या है पूरा मामला- रायचूर जिले के सिरवार तालुक के पंचायत विकास अधिकारी प्रवीण कुमार केपी 12 अक्टूबर को लिंगसुगुर में आरएसएस की वर्दी पहनकर और एक छड़ी के साथ उनके रूट मार्च में शामिल हुए थे। इसके चलते उन्हें शुक्रवार को ग्रामीण विकास और पंचायत राज (आरडीपीआर) विभाग ने आरएसएस शताब्दी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निलंबित कर दिया। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, आईएएस अधिकारी अरुंधति चंद्रशेखर द्वारा जारी निलंबन आदेश में कहा गया है कि उनके कार्यों ने सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन किया है, जिनमें राजनीतिक तटस्थता और अनुशासन की आवश्यकता होती है। विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं और अधिकारी अगली सूचना तक जीवन निर्वाह भत्ते के साथ निलंबित रहेगी।

सुबह-सुबह भूकंप के झटकों से कांपी धरती, भारत से लेकर पाकिस्तान तक लगे झटके

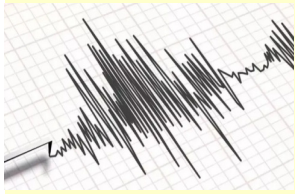

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के असम में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। वहीं, पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी सुबह-सुबह धरती डोली है। रिएक्टल पैमाने पर असम में आए भूकंप की तीव्रता 2.7 मापी गई। वहीं पाकिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता रिएक्टल स्केल पर 3.5 मापी गई। हालांकि, दोनों ही जगहों पर किसी तरह के हताहत या नुकसान की खबर नहीं है।

असम में भूकंप- नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी यानी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, शनिवार सुबह असम में भूकंप के झटके महसूस किए गए। असम में आए भूकंप की तीव्रता 2.7 थी। एनसीएस के अनुसार, भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर 3:29:57 बजे आया और इसका केंद्र 24.84 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 93.20 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप का केंद्र असम के कछार जिले में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। असम में भूकंप से किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

पाकिस्तान में 3.5 तीव्रता का भूकंप- राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार पाकिस्तान में 3.5 तीव्रता का भूकंप आया। पाकिस्तान में यह भूकंप सुबह 5 बजकर 4 मिनट पर आया। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। इससे पहले शुक्रवार को भी पाकिस्तान में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था।

पाकिस्तान दुनिया के भूकंपीय रूप से सक्रिय देशों में से एक है, जिसके बीच में कई बड़े भूकंपीय क्षेत्र हैं।

जुबीन गर्ग की मौत पर शेयर किया भड़काऊ वीडियो, असम पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की रहस्यमयी मृत्यु को 1 महीने बीत चुके हैं। वहीं, अब असम पुलिस ने नगांव जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसपर जुबीन के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने का आरोप है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पुलिस को इसके बारे में जानकारी देते हुए तुरंत एक्शन लेने की अपील की थी। 19 सितंबर को सिंगापुर के एक होटल में स्वीमिंग पुल में नहाते हुए जुबीन की मौत हो गई थी।

भारत अब रुकनेवाला नहीं, आतंकी हमलों पर चुप नहीं बैठेंगे, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि भारत ने आतंकी हमलों पर चुप रहने की नीति त्याग दी है और हमने ऐसी किसी भी ऐसी घटना पर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक से जवाब देने का फैसला कर लिया है।

पीएम ने कहा, चाहे जितनी रुकावटें आएं, भारत अब थमने के मूड में नहीं है। हम न रुकेंगे, न थमेंगे, 140 करोड़ देशवासी मिलकर तेजी से आगे बढ़ेंगे। यहां एक मीडिया चैनल के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि आतंकी हमलों के बाद भारत चुप नहीं बैठेगा, बल्कि हवाई हमलों, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के जरिये मुंहतोड़ जवाब देगा। अर्थव्यवस्था पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, जब विश्व स्तर पर युद्ध सुर्खियां बन गए, तब भारत ने सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ते हुए आलोचकों को गलत साबित कर दिया।

पीएम ने कहा कि जब दुनिया सोचती थी कि तमाम बाधाओं से घिरा भारत आगे नहीं बढ़ सकता, तब हमने उन्हें गलत साबित कर दिया। पिछले 11 वर्षों में हमने हर डर को दूर किया है और हर चुनौती पर विजय पाई हैं। आज की दुनिया जब तमाम तरह की बाधाओं और चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे में लगातार आगे बढ़ रहे भारत के बारे में बात करना स्वाभाविक हो जाता है।

उन्होंने कहा, आज भारत पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से निकलकर दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। चिप्स से लेकर जहाज तक, भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरा हुआ है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर हमला- पीएम ने कहा कि पहले की सरकारें मजबूरी में सुधार कार्यक्रमों को आगे बढ़ाती थीं, लेकिन अब हम दृढ़ विश्वास के साथ इन पर काम करते हैं। हमने हर जोखिम को सुधार में बदल दिया है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस के शासन में बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ। इसके चलते देश में नॉन परफार्मिंग असेट (एनपीए) का पहाड़ खड़ा हो गया।

पीएम ने कहा कि वित्त एवं अन्य संस्थानों का लोकतांत्रिककरण भारत के निरंतर विकास का अहम पहलू है। लोग भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं और वे तभी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं, जब उन पर सरकार का कोई दबाव या दखलंदाजी न हो। भारत ने डिजिटल वित्तीय ढांचे पर सभी को गलत साबित कर दिया है। दुनिया भी भारत को भरोसेमंद, जिम्मेदार, लचीले साझीदार और अवसरों से भरी धरती के रूप में देख रही है।

हम जवाब देना जानते हैं, तीन क्रिकेटरों की मौत के बाद PAK को अफगानिस्तान की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कुछ दिनों से जारी संघर्ष के बीच आज दोहा (कतर) में दोनों देशों की बैठक होनी है। यह बैठक क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयास का हिस्सा है। लेकिन बैठक से ठीक पहले अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान पर हवाई हमले करने का गंभीर आरोप लगाया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान अपने ऊपर हुए हमलों का जवाब देने का अधिकार रखता है। मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि जैसा पहले तय हुआ था, आज दोहा में पाकिस्तान के साथ वार्ता होनी है।

पाकिस्तान ने फिर से की फायरिंग- इस बीच, पिछली रात पाकिस्तानी सेना ने पक्तिका प्रांत के नागरिक इलाकों पर फिर से हवाई हमले किए, जिसमें कई नागरिक मारे गए और घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता का यह उल्लंघन है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। पाकिस्तान की ये कार्रवाइयां जानबूझकर संघर्ष को बढ़ाने की कोशिश है।

तालिबान प्रवक्ता ने आगे कहा, इस्लामिक अमीरात को इन हमलों का जवाब देने का अधिकार है, लेकिन दोहा में हमारी वार्ता टीम गरिमा बनाए रखने के लिए हमने अपनी सेनाओं को फिलहाल नई कार्रवाई से रोका है।÷ उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान शांति और स्थिरत के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन मौजूदा घटनाए पूरी तरह पाकिस्तान की आक्रामकता का नतीजा है।

दोहा पहुंचा पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल- दूसरी ओर, पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल भी दोहा पहुंच गया है, जिसमें रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और खुफिया प्रमुख असीम मलिक शामिल हैंष इन वार्ताओं का उद्देश्य सीमा पर जारी झड़पों को रोकने और संघर्ष को कम करने का है।

इस बीच, अफगानिस्तान के कंधार क्षेत्र के अधकारियों ने बताया कि स्पिन बोल्दक इलाके से लगभग 20 हजार परिवार विस्थापित हुए हैं। ये लोग पाकिस्तानी बमबारी के डर से अपने घर छोड़कर रेगिस्तानों और अस्थायी इलाकों में शरण ले रहे हैं।

कितने लोगों की हुई मौत- तोलो न्यूज के मुताबिक, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के दक्षिण-पूर्वी पक्तिका प्रांत के आर्गुन और बर्मल जिलों में हवाई हमले किए। इनमें कम से कम 6 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं जबकि 7 लोग घायल हुए हैं जिनमें 6 महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है।

दोबारा जंग हुई तो..., भारतीय सेना के डर से घबराए मुनीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने एक बार भारत के खिलाफ बेतुका बयान दिया है। मुनीर ने शनिवार को गीदड़भभकी देते हुए कहा कि भारत के छोटे से उकसावे पर भी माकूल जवाब दूंगा। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियराइज्ड माहौल में युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है।

मुनीर खैबर पख्तूनख्वा के एबटाबाद में प्रीमियर पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी काकुल में पासिंग आउट आर्मी कैडेट्स के ग्रेजुएशन सेरेमनी को ये बयान दिया है। उन्होंने कहा, मैं भारत की मिलिट्री लीडरशिप को सलाह देता हूं और पक्के तौर पर सावधान करता हूं कि न्यूक्लियराइज्ड माहौल में युद्ध के लिए कोई

जगह नहीं है।

मुनीर ने कहा, हम कभी डरेंगे नहीं, बयानबाजी से मजबूर नहीं होंगे और बिना किसी झिझक के छोटे से उकसावे का भी मजबूती से जवाब देंगे।

भारत पाकिस्तान संघर्ष का किया जिक्र- भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष का जिक्र करते हुए मुनीर ने दावा किया कि पाकिस्तान की आर्म्ड फोर्सेज ने सभी खतरों को कथित तौर पर न्यूट्रलाइज करके जबरदस्त प्रोफेशनलिज्म और दूर तक पहुंचने वाली काबिलियत दिखाई है और संख्या में ज्यादा मजबूत दुश्मन के खिलाफ जीत हासिल की है।

भारत पर लगाए बेबुनियाद आरोप- मुनीर ने भारत पर पाकिस्तान को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि मुट्ठी भर आतंकवादी पाकिस्तान को नुकसान नहीं पहुंचा सकते और चेतावनी दी कि अफगान जमीन का इस्तेमाल करने वाले सभी प्रॉक्सी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की तरफ इशारा करते हुए धूल में मिला दिए जाएंगे। पाक आर्मी चीफ ने भारत से इंटरनेशनल नियमों के हिसाब से मुख्य मुद्दों को सुलझाने की भी अपील की। ये कश्मीर विवाद का साफ इशारा था। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को नैतिक और डिप्लोमैटिक सपोर्ट देने के पाकिस्तान के वादे को दोहराया है।

रखे गुप्त रिकॉर्ड और रिश्तेदारों से शेयर किए नोट्स... ट्रंप के पूर्व सलाहकार बोल्टन पर लगे गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्य करने वाले जान बोल्टन पर गुरुवार को गंभीर आरोप लगाए गए।

उन पर घर में शीर्ष गुप्त रिकार्ड रखने और रिश्तेदारों के साथ सरकार में अपने कार्यकाल के बारे में डायरी जैसे नोट्स साझा करने का आरोप लगाया गया, जिसमें गोपनीय जानकारियां शामिल थीं।

गुर्गों ने हैक कर लिया बोल्टन का ईमेल- अभियोग से यह भी पता चलता है कि गोपनीय जानकारी तब उजागर हुई जब ईरानी शासन से जुड़े माने जाने वाले गुर्गों ने बोल्टन के ईमेल को हैक कर लिया और उनके द्वारा साझा की गई संवेदनशील सामग्री तक पहुंच प्राप्त कर ली।

क्या लगा आरोप- अभियोजकों का कहना है कि बोल्टन के एक प्रतिनिधि ने 2021 में एफबीआई को बताया था कि उनके ईमेल हैक कर लिए गए थे, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने ईमेल के माध्यम से गोपनीय जानकारी साझा की थी या हैकर्स के पास अब वह जानकारियां हैं।

केन्या के पूर्व पीएम ओडिंगा के राजकीय अंत्येष्टि समारोह के दौरान भगदड़, 18 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री रैला ओडिंगा के राजकीय अंत्येष्टि समारोह के दौरान शुक्रवार को एक फुटबाल स्टेडियम में भगदड़ मचने से 18 लोग घायल हो गए।

ओडिंगा का इस सप्ताह भारत में 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। इससे पहले गुरुवार को एक सार्वजनिक दर्शन समारोह के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें पुलिस फायरिंग से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हुए थे।

कैसे मच गई भगदड़- राजधानी नैरोबी के स्टेडियम में जब राजकीय अंत्येष्टि समारोह शुरू हुआ तो भीड़ में से कुछ लोग ओडिगा के पार्थिव शरीर को देखने के लिए आगे बढ़ गए, जिससे वहां भगदड़ मच गई। घायल 18 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्टेडियम में हजारों लोग मौजूद थे, जहां एंग्लिकन चर्च की प्रार्थना सभा के लिए ओडिगा के ताबूत को राष्ट्रीय ध्वज से ढंका गया था। वे नारे लगा रहे थे और ओडिंगा के चित्र लिए हुए थे।

ट्रंप ने फिर दी गाजा पर सैन्य कार्रवाई शुरू होने की चेतावनी, हमास ने क्या कहा- अभी समय लगेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के 19 बंधकों के शवों की वापसी के मुद्दे पर कोई समझौता न करने वाले बयान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हमास को चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा, हमास अगर सभी बंधकों के शव इजरायल को वापस नहीं करता है तो वह इजरायल को सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने के लिए ग्रीन लाइट दिखा देंगे।

विदित हो कि ट्रंप की शांति योजना के तहत 10 अक्टूबर को गाजा पट्टी पर इजरायल के हमले बंद हो गए थे। इसके 72 घंटे के भीतर हमास को सभी जीवित 20 बंधक और 28 बंधकों के शव इजरायल को देने थे लेकिन अभी तक 19 शव नहीं दिए गए हैं। ट्रंप का बयान इसलिए भी मायने रखता है क्योंकि गुरुवार को नेतन्याहू के बयान के बाद इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने गाजा में नियुक्त सैन्य कमांडरों को हमले फिर से शुरू करने की योजना बनाने के निर्देश दिए थे।

हमास ने क्या कहा- हमास ने कहा है कि बंधकों के शव उन सुरंगों में हो सकते हैं जो इजरायली हमलों के कारण नष्ट हो गई हैं। ये सुरंगें जमीन से काफी नीचे थीं और उनमें कुछ इजरायली बंधक जीवित अवस्था में रखे गए थे और कुछ बंधकों के शव थे। लेकिन इजरायली हमलों में जीवित बंधक भी मारे गए। इसलिए खोदाई करके शवों के अवशेष निकालने के लिए विशेष उपकरणों की जरूरत होगी और उसमें समय भी लगेगा।

हमास ने कहा है कि कुछ बंधकों के शव इजरायली सेना के नियंत्रण वाले इलाकों में भी हैं। हमास ने कहा है कि शवों के न मिलने तक इजरायली प्रधानमंत्री ने राहत सामग्री की आपूर्ति रोकने की बात कही है।

ढाका एयरपोर्ट के कार्गो विलेज में लगी भीषण आग, चटगांव भेजी गई चार उड़ानें; कई फ्लाइट का संचालन प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो विलेज इलाके में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, यह इलाका आमतौर पर आयतित सामान पखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

फायर सर्विस मुख्यालय के मीडिया सेल अधिकारी तल्हा बिन जसीम ने बताया क आग की तिव्रता काफी गंभीर है। उन्होंने कहा कि 16 दमकल यूनिट मौके पर पहुंच चुकी हैं, जबकि अन्य 16 यूनिट रास्ते में हैं।

आग बुझाने में जुटे कर्मी- हवाई अड्डे के कार्यकारी निदेशक के प्रवक्ता मसूदुल हसन मसूद ने बताया कि आग कार्गो विलेज के पास वाले हिस्से में लगी। उन्होंने कहा कि फायर सर्विस, बांग्लादेश एयरफोर्स और एयरपोर्ट कर्मी मिलकर आग बुझाने में लगे हैं। फिलहालस आग लगने के कारण और नुकसान की सहा जनकारी अब तक सामने नहीं आई है।

आग लगने के बाद चार उड़ानों को चटगांव के शाह अमानत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। चटगांव एयरपोर्ट के प्रवक्ता इब्राहिम खलील ने बताया कि इनमें दो घरेलू उड़ानें और दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं।

रोकी गई सभी उड़ानें- एहतियात के तौर पर कई विमानों को हैंगर से हटाकर सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है ताकि कोई नुकसान न हो। कुल 28 फायर यूनिट आग पर काबू पाने में जुटी हैं, जबकि ढाका एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें फिलाहल रोक दी गई है।

मोजाम्बिक में बड़ा हादसा, समुद्र में नाव पलटने से तीन भारतीयों की मौत और 5 लापता

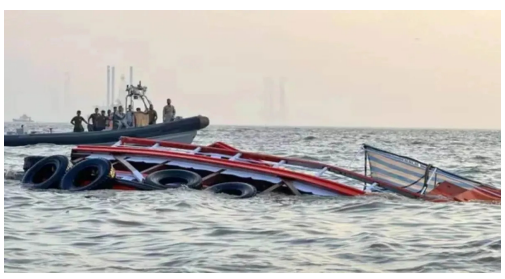

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंद महासागर में भारतीय नागरिकों को ले जा रही नाव अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। इस हादसे में 3 भारतीयों की जान चली गई और 5 लोग अभी तक लापता है। उनकी तलाश की जा रही है। यह हादसा शुक्रवार को मोजाम्बिक में बीरा पोर्ट के पास हुआ। मोजाम्बिक में भारतीय दूतावास के अनुसार, इस नाव में एक टैंकर के करू मेंबर्स सवार थे। उन्हें रोज की तरह ऑपरेशन ट्रांसफर के लिए टैंकर पर ले जाया जा रहा था। तभी यह नाव अचानक पलट गई, जिससे हादसा हो गया।

भारतीय दूतावास ने दी जानकारी- इस नाव में कुल 14 भारतीय नागरिक मौजूद थे। नाव पलटने की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। भारतीय दूतावास ने इस हादसे की जानकारी देते हुए कहा-

दुर्भाग्यवश इस हादसे में कुछ भारतीयों की मौत हो गई और कुछ अभी तक लापता हैं। हम मृतकों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हम पीड़ित परिवारों के साथ संपर्क में बने हुए हैं और उन्हें हर संभव मदद मुहैया करवाई जाएगी।

6 को किया गया रेस्क्यू- भारतीय दूतावास के अनुसार, हादसे के बाद 5 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया है।वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। बचाव और राहत कार्य अभी भी जारी है।

स्थानीय अधिकारियों की मदद से 5 लापता भारतीयों के लिए तलाशी अभियान जारी है, लेकिन अभी तक उनका कुछ पता नहीं चल सका है।

पुलिस थाने ले जाते समय कांस्टेबल की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के निजामाबाद में एक व्यक्ति 42 साल के कॉन्स्टेबल की कथित तौर पर चाकू मार कर हत्या कर दी। ये हत्या उस वक्त हुई जब कॉन्स्टेबल आरोपी को थाने ले जा रहे थे। घटना 17 अक्टूबर को रात 8:30 से नौ बजे के बीच हुई। पुलिस ने ये जानकारी दी।

आरोपी शेख रियाज कॉन्स्टेबल ई. प्रमोद के सीने पर चाकू के वार किया और मौके से फरार हो गया। घायल कॉन्स्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि कॉन्स्टेबल की बाइक का पीछा कर रहे एक सब-इंस्पेक्टर की उंगलियों पर भी आरोपी ने हमला किया, जिससे उसकी उंगलियां घायल हो गईं।

डीजीपी ने दिए स्क्वॉड गठित करने के निर्देश- कॉन्स्टेबल की मौत पर दुख जताते हुए, तेलंगाना के डीजीपी बी शिवधर रेड्डी ने निजामाबाद पुलिस कमिश्नर को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित करने का निर्देश दिया।

एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि डीजीपी मल्टी जोन-द्ध, एस चंद्रशेखर रेड्डी को निजामाबाद जाकर स्थिति पर नजर रखने का निर्देश दिया। रेड्डी ने आईजीपी से कॉन्स्टेबल के परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने का भी अनुरोध किया।

डीजीपी ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर तलाशी अभियान शुरू करने और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करने के आदेश जारी किए। निजामाबाद के पुलिस आयुक्त पी साई चैतन्य ने संवाददाताओं को बताया कि आरोपी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं और उसे पकड़ने के लिए आठ टीमें बनाई गई हैं।

1.11 लाख रुपये किलो मिल रही है यह खास मिठाई, 24 कैरेट सोने से बनी स्वर्ण भस्म की क्या है ख़ासियत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैसे तो दीवाली रोशनी का त्योहार है, लेकिन बिना मिठाइयों के दीवाली का मजा फीका पड़ जाता है। दीवाली के खास मौके पर लोग अच्छी से अच्छी मिठाइयां खरीदते हैं। मगर, क्या आपने कभी सोने और चांदी की मिठाइयां देखी हैं?

दीवाली नजदीक आते ही राजस्थान के जयपुर में स्थित त्योहार शॉप काफी चर्चा में आ गई है। जयपुर के वैशाली नगर में स्थित इस दुकान में 24 कैरेट गोल्ट से बनी स्वर्ण भस्म पाक और चांदी से बनी चांदी भस्म पाक जैसी मिठाइयां उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 45,000 से 1.11 लाख प्रति किलोग्राम है।

इन अनोखी मिठाइयों के पीछे अंजली जैन का हाथ है। चार्टर्ड अकाउंटेंट रहीं अंजली अब एक बिजनेस वूमन बन चुकी हैं। उनका कहना है कि उन्हें सोने और चांदी की मिठाइयां बनाने का आइडिया आयुर्वेद की पारंपरिक रेसिपी से आया। वो कुछ शानदार बनाना चाहती थीं।

समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान अंजली ने कहा, आज यह पूरे भारत की सबसे मंहगी मिठाई स्वर्ण प्रसादम है। इसका कीमत 1 लाख 11 हजार रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित की गई है।

महिलाओं में अल्जाइमर और मल्टीपल स्क्लेरोसिस का खतरा क्यों है ज्यादा?

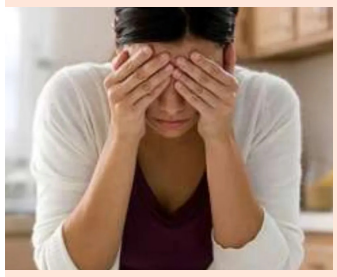

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने एक्स क्रोमोसोम में एक जीन की पहचान की है, जो महिलाओं के मस्तिष्क में सूजन को बढ़ावा देता है और यह समझाता है कि क्यों महिलाएं अल्जाइमर और मल्टीपल स्क्लेरोसिस जैसी स्थितियों से अधिक प्रभावित होती हैं। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की टीम ने बताया कि मल्टीपल स्क्लेरोसिस के चूहों के माडल का उपयोग करते हुए, उन्होंने केडीएम6ए जीन की खोज की, जो माइक्रोग्लिया में सूजन का कारण बनता है। यह मस्तिष्क में इम्यून कोशिकाएं होती हैं।

क्यों है महिलाओं को ज्यादा खतरा- जब केडीएम6ए और इसके संबंधित प्रोटीन को निष्क्रिय किया गया, तो मल्टीपल स्क्लेरोसिस जैसी बीमारी और न्यूरोपैथोलाजी दोनों में मादा चूहों में सुधार हुआ। यह अध्ययन जर्नल साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसिन में प्रकाशित किया गया है।प्रमुख शोधकर्ता डा. रोंडा वास्कुल ने कहा कि मल्टीपल स्क्लेरोसिस और अल्जाइमर दोनों ही महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, दो-तिहाई स्वस्थ महिलाओं को मेनोपाज के दौरान ब्रेन फाग का अनुभव होता है। ब्रेन फाग एक ऐसी मानसिक स्थिति है जिसमें आपको ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, याददाश्त कमजोर होना और मानसिक थकान महसूस होती है। निष्कर्ष बताते हैं कि ऐसा क्यों होता है।

8 महीने के बच्चे के लिए फरिश्ता बना सेना का जवान, चलती ट्रेन में CPR देकर बचाई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेन से सफर कर रहे एक नवजात बच्चे की अचानक सांस फूलने लगी। ऐसे में सेना का एक जवान उसके लिए फरिश्ता बनकर आया और सीपीआर देकर बच्चे की जान बचा ली। इस घटना के बाद जवान की हर तरफ वाहवाही हो रही है।

रक्षा अधिकारियों के अनुसार, जवान घर से छुट्टी मनाकर ड्यूटी पर वापस लौट रहा था। तभी ट्रेन में अचानक आठ महीने के बच्चे की तबीयत खराब हो गई। जवान ने न सिर्फ उसे माउथ टू माउथ ऑक्सीजन दी, बल्कि CPR (cardiopulmonary resuscitation) देकर उसे बचा लिया।

ट्रेन में बेसुध हुआ बच्चा- यह घटना डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस की है। रक्षा अधिकारियों ने बयान जारी करते हुए बताया, समय रहते जवान की सूझबूझ और एक्शन ने बच्चे को बचा लिया। वो भी एक ऐसी जगह, जहां कोई भी चिकित्सक सहायता उपलब्ध नहीं थी।

रक्षा अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन में सफर के दौरान आठ महीने के बच्चे को अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी। बच्चे पूरी तरह से अचेत हो गया था। उसी मां जोर-जोर से चिल्लाने लगी। पूरा परिवार परेशान हो उठा था।

कैसे बचाई जान?

सेना के जवान सुनील, जो 456 फील्ड हॉस्पिटल में एंबुलेंस असिस्टेंट के रूप में तैनात हैं, अपनी छुट्टी से ड्यूटी पर वापस लौट रहे थे। वो भी उसी कोच में मौजूद थे। शोर शराबा सुनकर सुनील बच्चे के पास पहुंचे और देखा तो बच्चे की धड़कन थमने लगी थीं। उसने सांस लेना भी बंद कर दिया था।

रक्षा अधिकारी ने बताया, सुनील ने तुरंत बच्चे को ट्रीटमेंट देना शुरू किया। उन्होंने अपनी 2 उंगलियां बच्चे के सीने पर रखी और मुंह से उसे ऑक्सीजन देने लगे। कुछ देर ऐसा करने के बाद बच्चे ने हल्की से हलचल की और वो होश में आ गया।

छत्तीसगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता, 1 लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार; भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुकमा जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कोंटा थाना क्षेत्र से 01 लाख रुपये का इनामी नक्सली मुचाकी मंगा पुलिस के हत्थे चढ़ा है। नक्सली की निशानदेही पर पुलिस ने जंगल में छिपाकर रखे भारी मात्रा में विस्फोटक व आईईडी सामग्री बरामद की है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार नक्सली मुचाकी मंगा पिता मुचाकी बुधरा (24 वर्ष), निवासी किन्द्रेलपाड़, थाना भेज्जी का रहने वाला है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जहां कोंटा पुलिस और सीआरपीएफ 218वीं बटालियन की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने 1 लाख रुपये के इनामी नक्सली मुचाकी मंगा पिता मुचाकी बुधरा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी भेज्जी थाना के ग्राम किन्द्रेलपाड़ का रहने वाला है। यह नक्सली पिछले 5 सालों से कोंटा एरिया कमेटी अंतर्गत एल.ओ.एस सदस्य के रूप में सक्रिय था।

आईईडी लगाने की कर रहे थे तैयारी- सूत्रों के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सली दल उसकावाया और नुलकातोंग के बीच पुलिस पार्टी के रास्ते में आईईडी लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इस पर पुलिस अधीक्षक सुकमा के निर्देशन में जिला पुलिस बल एवं सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

पूछताछ में मुचाकी मंगा ने कई नक्सली घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की है, जिनमें फरवरी/मार्च 2025 में ग्राम बंडा व उसकावाया क्षेत्र में सड़क मार्ग पर आईईडी लगाने तथा वर्ष 2024 में भंडारपदर के ग्रामीण ओयामी पांडु की हत्या जैसी घटनाएं शामिल हैं. गिरफ्तार नक्सली की निशानदेही पर पुलिस ने जंगल में छिपाकर रखे जिलेटिन रॉड, डेटोनेटर, गन पाउडर, कोर्डेक्स वायर, धारदार चाकू, नक्सली बैनर-पोस्टर व आईईडी उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना कोंटा और थाना भेज्जी में कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। गिरफ्तार नक्सली को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान लगातार जारी है।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप गहरी खाई में गिरी, 8 लोगों की मौत और कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले से सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है। जहां चांदशैली घाट पर एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, पिकअप सवार सभी लोग अस्तंबा देवी यात्रा से लौट रहे थे। इसी दौरान घाट मोड़ पर ड्राइवर ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिसके चलते गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी।

8 लोग घायल- यह हादसा इतना भयावह था कि पिकअप वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पिकअप में सवार श्रद्धालु वाहन से बाहर जा गिरे। इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

कई की हालत नाजुक- यह घटना नंदुरबार जिले के शाहदा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में नंदुरबार जिले चांदशैली घाट के पास हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस ने शुरू की मृतकों की पहचान- बता दें कि श्रद्धालु अस्तंबा देवी का दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे। हादसा इतना भयावह था कि कई श्रद्धालु पिकअव के नीचे दब गए और कुछ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि वाहन तेज गति में था और घाट के मोड़ पर ड्राइवर का संतुलन बिगड़ गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृयोदशी

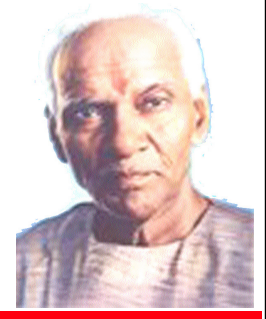

संपादकीय

प्रतिवर्ष दीपावली पर भारत माता एक नए प्रकाश पुंज के अवतरण की प्रतीक्षा करती है

प्रतिवर्ष दीपावली पर भारत माता एक नए प्रकाश पुंज के अवतरण की प्रतीक्षा करती है। ऐसा प्रकाश पुंज जो उसकी सौ करोड़ से अधिक संतानों के घर-आंगन के साथ उनके मन-आंगन में उजियारा फैला सके। हजारों साल से चले आ रहे ज्योति पर्व पर देश की दीवारें तो जगमगा जाती हैं, पर माटी के सभी पुतलों (आज के इंसान) को माटी के ये दीप अभी तक पूरी तरह से आलोकित नहीं कर पाए। असत्य पर सत्य की विजय के अभिनंदन और समृद्धि की कामना के पर्व दीपावली पर अपसंस्कृति के बढ़ते हुए आक्रमण ने सामाजिक विवेक के माथे पर चिंता की रेखाएं उकेर दी हैं। दीपावली के आगमन से कई दिन पूर्व लोग घरों की साफ-सफाई में लग जाते हैं। खील-बताशे, दीये, रूई, फुलझड़ियां-पटाखे आदि खरीदने में व्यस्त हो जाते हैं। लक्ष्मी पूजा के लिए लक्ष्मी-गणेश की तस्वीरें या मूर्तियां खरीदी जाती हैं, लेकिन ऐसे घर अब कम रह गए हैं, जहां दीपावली की पूजा पर उचित विधि-विधान अपनाया जाता हो, जो दीपावली के वास्तविक कर्म को जानते हों। देवी-देवताओं की आराधना करने की इच्छा लोगों को शायद इसलिए होती है कि वह इन देवी-देवताओं से मनोवांछित फल पाने की कामना करते हैं, पर आधुनिक समय में बिखरते जीवन मूल्यों और नए सांस्कृतिक व भौतिक प्रलोभनों के कारण लोग इन देवी-देवताओं की आराधना तक भूल गए हें।

ऐसे में त्यौहार मनाना सिर्फ देखा-देखी और रूढ़ि के अलावा कुछ भी नहीं। आज देश में समृद्धि जिस कदर बढ़ती जा रही है, उसी के अनुपात में यह त्यौहार उतना ही रंग-बिरंगा और शोर-शराबे भरा तथा भोंडा व अश्लील भी बनता जा रहा है। बेशुमार खरीददारी, नये-नये डिजायनों के कटे-फटे कपड़े, भव्यतम पार्टियां और जबरदस्त चकाचौंध को देखकर दीपक आज आंसू बहाकर रह जाता है।

दीपावली, जो देश का सबसे बड़ा त्यौहार है आज सबसे बड़ी रूढ़ि बन चुकी है। रूढियां स्मृतियों को जीवित रखती है, लेकिन दीपावली राष्ट्रीय स्मृति-लोप का सबसे बड़ा उदाहरण है। हम दीए जलाते है और अंधेरा बढ़ता जाता है। पिछले वर्षों में उपभोक्तावाद ने ऐसी अपसंस्कृति फैलायी है, जो सांस्कृतिक घटनाओं और वस्तुओं के सहज आनंद और उसके सामाजिक अर्थों को नष्ट कर उन्हें व्यावसायिक हितों के लिए सतही तौर पर इस्तेमाल में ला रही है। अब दीपावली का पूंजीकरण हो गया है। अब इस पर्व को भी उद्योग के रूप में देखा जाने लगा है। आतिशबाजी-पटाखे, रोशनी और प्रकाश उद्योगों की वजह से यह त्यौहार ध्वनि व पर्यावरण प्रदूषण तथा जान-माल की हानि का प्रमुख कारण बन गया है। महंगे पटाखों में जितना पैसा खर्च किया जाता है, उससे न जाने कितने ही भूखों का पेट भरा जा सकता है, कितने ही नंगे तन को ढंका जा सकता है। अब ज्योतिपर्व सिर्फ एक औपचारिकता बनकर रह गया है। परंपरागत प्रवाह की लीक में बहते असंख्य दीप अवश्य जलते हैं, किंतु इनकी ज्योति अंतर्मन को प्रकाशित नहीं कर पाती।

परिणामस्वरूप आंतरिक अंधकार गहराता जाता है और हमारी कुंठित आशाएं मानसिक विकृति की दशा में बहती जा रही है। आधुनिकता और भौतिकवाद के दौर में नैतिकता, मर्यादा एवं मूल्यों का पथ अंधकार में विलीन होता जा रहा है। इससे उपजी कुंठा व्यक्तिगत जीवन में अर्द्धविक्षिप्त मनोदशा, पारिवारिक जीवन में बिखराव के साथ चारों ओर अराजकता, आतंक एवं अशांति के रूप में परिलक्षित हो रही है। जीवन की अंधेरी राहों से गुजरते हुए आम लोगों को दीपोत्सव कितना आलोकित कर सकता है, यह बड़ा ही कंटीला और रहस्यमय प्रश्न है।

अत्याचार, अनाचार, व्यभिचार एवं भ्रष्टाचार हर रोज, हर कहीं प्राय~ सभी को चुनौती देते घूम रहे हैं। उनकी नाक में नकेल डालने का साहस किसी में नहीं हैं।

गोविन्दराम सेकसरिया

गोविन्दराम सेकसरिया स्वतंत्रता-पूर्व भारत के सबसे सफल व्यवसायियों में से एक थे। उन्हें भारत के कॉटन किंग के नाम से भी जाना जाता था। वे अपने समय के सबसे बड़े उद्योगपति थे। गोविन्दराम सेकसरिया ने 16 साल की उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। उन्होंने अपनी पत्नी, भाइयों- भोलाराम, रामनाथ, माखनलाल और दो बहनों की पूरी जिम्मेदारी उठाई। कपास बाजार में सफलता प्राप्त करने के बाद गोविन्दराम सेकसरिया ने अपने क्षितिज का विस्तार किया और सर्राफा व अन्य कमोडिटी बाजारों में प्रवेश किया। वह भारतीय स्टॉक एक्सचेंज के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

जन्म

गोविन्दराम सेकसरिया का जन्म 19 अक्टूबर, 1888 को तत्कालीन राज्य जयपुर के नवलगढ़ में हुआ था। वह एक सामान्य से व्यापारी परिवार में जन्मे थे। उनका जीवन एक सामान्य तरीके से चल रहा था लेकिन उनके ऊपर मुसीबतों का पहाड़ उस समय टूट पड़ा, जब उन्होंने अपने माता और पिता दोनों को एक साथ खो दिया। मात्र 16 साल की उम्र में वह अनाथ हो गए। इसके साथ ही उनके ऊपर एक बड़े परिवार की जिम्मेदारी भी आ गई। उनके परिवार का कोई समृद्ध व्यवसाय भी नहीं था, जिसे वो संभाल कर सब ठीक कर लेते। यहां गोविन्दराम सेकसरिया के पास एक ही रास्ता था, और वो ये कि उनका परिवार जो कुछ भी था उसे वहीं छोड़ आगे बढ़ें और नई शुरुआत करें। उन्होंने ठीक ऐसा ही किया।

अंग्रेज़ी हुकूमत ने नहीं दिया साथ

नवलगढ़ छोड़कर गोविन्दराम सेकसरिया बॉम्बे (वर्तमान मुम्बई) चले आए। यहीं उन्होंने 1900 के दशक में मेसर्स नाम के तहत अपना व्यवसाय शुरू किया। चूंकि उस समय भारत अंग्रेजों के अधीन था, ऐसे में किसी भारतीय के लिए अपना व्यवसाय शुरू करना और उसे आगे बढ़ाना आसान नहीं था। अंग्रेजी हुकूमत भारतीयों को समर्थन और प्रोत्साहन न के बराबर दे रही थी। ऐसे में अपना धन लगा कर विकास की योजना बनाना और प्रगति करना जोखिम भरा और खतरनाक था। वहीं प्रमुख उद्योगों में अपना स्वामित्व जमाए बैठी विदेशी फर्मों को अंग्रेजी सरकार का पूरा समर्थन मिल रहा था।

कपास व्यवसाय से शुरुआत

गोविन्दराम सेकसरिया भी एक जिद लेकर चल रहे थे। उन्होंने ठान लिया था कि उन्हें हर हाल में आगे बढ़ना है। अनिश्चित परिणाम के बारे में जानते हुए भी गोविंदराम ने ऐसे जोखिम भरे औद्योगिक माहौल में बॉम्बे में ही एक कपास व्यापारी के रूप में अपना कॅरियर शुरू किया। वह अंग्रेजों के रवैये के खिलाफ लड़ते हुए आगे बढ़ते रहे। उनकी हिम्मत रंग ला रही थी। कुछ ही साल में उनकी फार्म ने सरकार द्वारा गठित कॉटन कॉन्ट्रैक्ट बोर्ड की सदस्यता पा ली और वह ईस्ट इंडिया कॉटन एसोसिएशन के मूल सदस्य बन गए।

देखते ही देखते गोविन्दराम सेकसरिया कपास बाजार का एक बड़ा नाम बन गए। एक समय ऐसा आया जब उन्हें कॉटन किंग के रूप में जाना जाने लगा।

दुनिया भर की कॉटन मार्केट का बड़ा नाम बनने के बाद गोविन्दराम सेकसरिया का उत्साह आसमान छू रहा था। फिर तो वह केवल कपास व्यापार तक ही नहीं रुके। उन्होंने सराफा बाजार, विभिन्न कमोडिटी बाजारों के साथ-साथ बॉम्बे और देश में अन्य जगहों पर स्टॉक एक्सचेंजों में प्रवेश किया। उनकी फर्म मारवाड़ी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, बॉम्बे बुलियन एक्सचेंज, बॉम्बे सीड्स ब्रोकर्स एसोसिएशन और इंडियन मर्चेंट्स चैंबर की एक सम्मानित सदस्य बन गई।

न्यूयॉर्क कॉटन एक्सचेंज के सदस्य

कहते हैं गोविन्दराम सेकसरिया के लिए विकास और विविधीकरण की भूख इतनी ज्यादा थी कि केवल देश भर में व्यापार विकसित होने से इस लॉइन ऑफ़ कॉमर्स (स्द्धश्ठ्ठ श्द्ध ष्टश्द्वद्वद्गह्म्द्ध) को संतुष्टि नहीं मिलने वाली थी। उनकी इसी भूख ने वो कर दिखाया जो उन दिनों बेहद ही दुर्लभ था। वो साल 1934 था, जब एक गुलाम देश का नागरिक, एक भारतीय न्यूयॉर्क कॉटन एक्सचेंज का सम्मानित सदस्य बना। ये उस समय एक भारतीय के लिए दुर्लभ विशेषाधिकार था। वह अपनी मृत्यु तक एक्सचेंज के सदस्य बने रहे। वह लिवरपूल कॉटन एक्सचेंज में भी सक्रिय हुए। यहां तक कि ब्रिटेन और अमेरिका का तांबा, चीनी और गेहूं का आयात-निर्यात भी उसके दायरे में आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर भी उनका प्रभाव उतना ही महसूस किया गया, जितना कि राष्ट्रीय बाजारों में। उस समय द न्यूयॉर्क टाइम्स के लेखों के अनुसार न्यूयॉर्क कॉटन एक्सचेंज में उनके बाजार संचालन को देख सब ही हैरान थे। अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य और बाजार के विकास में उनके निर्णयों पर विश्वास और उनका सम्मान किया जाने लगा था।

अन्य व्यापारिक क्षेत्रों में कदम

सन 1920 के दशक में गोविन्दराम सेकसरिया ने वनस्पति तेलों के साथ चीनी, कपड़ा, खनन, बैंकिंग, प्रिंटिंग प्रेस, मोशन पिक्चर्स, बुलियन ट्रेडिंग और रियल एस्टेट निवेश में विविधता लाते हुए राष्ट्रीय विकास की तरफ बड़ा कदम बढ़ाया। उस समय देश के आधे से ज्यादा हिस्से में उनके कारखाने थे। 1937 में उन्होंने गोविंदराम ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की, जो उनकी औद्योगिक दृष्टि का प्रमुख केंद्र था।

देशभक्ति की भावना

व्यापार के क्षेत्र में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जाकर अपना परचम लहराने वाले गोविन्दराम सेकसरिया के अंदर देशभक्ति की भावना भी खूब थी। हालांकि प्रत्यक्ष रूप से उन्होंने कभी भी कभी भी इस भावना को सार्वजनिक नहीं किया लेकिन स्वतंत्रता आंदोलन में उनका बड़ा योगदान रहा। दुर्लभ विशेष अवसरों को छोड़कर वह जनता की नज़रों से दूर रहे। 1940 में उन्होंने अपने पूना बंगले में स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे सदस्यों की मेजबानी की। वहीं उन्होंने बंबई में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ मंच भी साझा किया।

शैक्षणिक व चिकित्सा संस्थानों की स्थापना

भले ही गोविन्दराम सेकसरिया ने देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा और सम्मान प्राप्त किया, लेकिन ये सब उनके व्यापारिक गुणों के कारण था। बात अगर शिक्षा की करें तो इस मामले में वह बहुत पीछे थे। कोई औपचारिक शिक्षा न प्राप्त करने का उन्हें हमेशा मलाल रहा और इसी कारण उन्होंने शिक्षा का महत्व समझते हुए पूरे भारत में कई स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना में अपना बड़ा योगदान दिया।

दानी व्यक्ति

गोविन्दराम सेकसरिया इतने विनम्र थे कि उनके दिए गए अनगिनत दानों के बारे में बहुत कम लोग जान पाए। उन्होंने इन बातों पर कभी घमंड नहीं किया और न इस बारे में लोगों के बीच ज्यादा चर्चा की। इस दुनिया को अलविदा कहने से कुछ समय पहले तक उन्होंने खुलकर दान किया था। कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवनकाल में लगभग 2 करोड़ रुपये चैरिटी के लिए दान किए थे।

मृत्यु

बेहद कम उम्र में अनाथ होने के बावजूद अंग्रेजों के खिलाफ जाकर विदेशों तक अपनी धाक जमाने वाले गोविन्दराम सेकसरिया का निधन 22 मई, 1946 में हुआ। उनके निधन के बाद प्रेस और अन्य मीडिया द्वारा उन्हें भरपूर श्रद्धांजलि दी गई। बुलियन एक्सचेंज, कॉटन एक्सचेंज, स्टॉक एक्सचेंज सहित बॉम्बे के सभी प्रमुख बाजार दिवंगत आत्मा के सम्मान में बंद रहे। ऐसा सम्मान उन दिनों एक भारतीय के लिए दुर्लभ सम्मान था।

दिवाली के बाद भी रहेगा GST Rate Cut का असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी की नई दरें लागू हुए लगभग एक महीना होने को है। 22 सितंबर से New GST Rate लागू हुए थे। इस दिन के बाद से खाने-पीने की चीजों से लेकर रोजमर्रा में इस्तेमाल की जाने वाली लगभग हर चीजें सस्ती हो गई थी। अब उसी को लेकर एक बार फिर से धनतेरस के मौके पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कुछ कहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी 2.0 सुधारों के प्रभाव के बारे में बात की और कहा कि जीएसटी कटौती का असर त्योहारी सीजन के बाद भी जारी रहेगा।

वहीं, दूसरी ओर आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को जीएसटी बचत उत्सव पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अर्थव्यवस्था में 20 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त खपत को बढ़ावा आंशिक रूप से हाल ही में लक्ष्य में कटौती के माध्यम से मिलेगा।

वैष्णव ने कहा, जीएसटी सुधार के दौरान, देश में खपत और मांग में वृद्धि को लेकर कई अनुमान लगाए गए थे। अगर हम पिछले साल के अपने जीडीपी आंकड़ों पर नज़र डालें, तो यह 335 लाख करोड़ रुपये था। इसमें से हमारी खपत 202 लाख करोड़ रुपये और निवेश 98 लाख करोड़ रुपये था।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीतारमण ने कहा, दबी हुई मांग केवल एक महीने के लिए थी क्योंकि लोग अगस्त में जीएसटी कटौती के संकेत मिलने का इंतज़ार कर रहे थे। इसलिए हमें इसे बदले की भावना से की गई खर्चीली माँग से नहीं जोड़ना चाहिए और क्या यह जारी रहेगी? जीएसटी कटौती का असर त्योहारी सीजन के बाद भी जारी रहेगा। उपभोग की कहानी जारी रहेगी। हमने उल्टे शुल्क ढांचे में से अधिकांश को ठीक कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी कटौती का लाभ अंतिम उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है, और कुछ वस्तुओं की कीमतों में अपेक्षा से अधिक गिरावट देखी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार संशोधित कर ढांचे का लाभ आम आदमी तक पहुँचाने के लिए 54 उत्पादों की कीमतों पर कड़ी नजर रख रही है।

1 लाख के ऊपर 24 और 22 कैरेट क्यों खरीदें, जब 50 हजार से कम में मिल रहा 9 कैरेट गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज पूरा भारत धनतेरस का त्योहार मना रहा है। इस खास मौके पर भारत के लगभग हर एक घर में सोने और चांदी की खरीदारी कर रहे हैं। हालांकि, इस बार सोना और चांदी के दाम आसमान छू रहे हैं, इस वजह से बहुत से गोल्ड खरीदने से परहेज कर रहे हैं। हालांकि, जरूरी नहीं कि आप 22 कैरेट या फिर 18 कैरेट गोल खरीदें। आप चाहें तो 9 कैरेट गोल्ड की ज्वेलरी खरीद सकते हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर 9 कैरेट गोल्ड का रेट क्या होगा?

वैसे 9 कैरेट गोल्ड को लेकर रेट कोई फीस नहीं होता। इसे 22 कैरेट, 18 कैरेट, 14 कैरेट के आधार पर निकाला जाता है। हमने 9 कैरेट गोल्ड रेट को लेकर कमोडिटी एक्सपर्ट और केडिया एडवाइजरी के फाउंडर अजय केडिया से संपर्क साधा। अजय केडिया की टीम ने हमें अलग अलग प्योरिटी के आधार पर 9 कैरेट गोल्ड का रेट बताया। हालांकि इसमें परिवर्तन भी हो सकता है। यह एक अनुमानित रेट है।

लोग धनतेरस के शुभ दिन पर सोना खरीदने के लिए अधिक कीमत चुकाने को तैयार हैं, क्योंकि यह त्योहार धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का सम्मान करता है। धनतेरस को सोना खरीदने का शुभ समय माना जाता है, जो घर और व्यवसायों के लिए सौभाग्य का प्रतीक है।

यस बैंक के दूसरी तिमाही के आए नतीजे, लाभ में 18त्न की हुई बढ़ोतरी, आय में कितना हुआ सुधार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। यस बैंक लिमिटेड ने सितंबर तिमाही में स्थिर ब्याज आय और स्थिर परिसंपत्ति गुणवत्ता के दम पर नेट प्रॉफिट में 18.4% की साल-दर-साल बढ़ोतरी दर्ज की।

2020 में अपने पुनर्गठन के बाद से लाभ में सुधार और एक सही बैलेंस शीट बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे प्राइवेट बैंक ने कहा कि 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में उसका नेट प्रॉफिट बढ़कर 655 करोड़ हो गया। यह एक साल पहले दर्ज किए गए 553 करोड़ के लाभ से अधिक है। यस बैंक ने एक्सचेंज को दी गई जानकारी में बताया कि शुद्ध ब्याज आय साल-दर-साल 4.6% बढ़कर 2,200 करोड़ से 2,300 करोड़ हो गई।

परिसंपत्ति गुणवत्ता में लगभग कोई बदलाव नहीं हुआ, सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां पिछली तिमाही के 4,022 करोड़ की तुलना में 4,055.3 करोड़ रहीं। सकल NPA अनुपात 1.6% पर स्थिर रहा, जबकि शुद्ध NPA एक तिमाही पहले के 797.3 करोड़ की तुलना में 770.8 करोड़ रहा, यानी शुद्ध NPA अनुपात 0.3% रहा।

बैंक के प्रावधान पिछली तिमाही के 284 करोड़ और एक साल पहले के 297 करोड़ से बढ़कर 419 करोड़ हो गए।

यस बैंक शेयर प्राइस- यस बैंक के शेयर शुक्रवार को 22.34 पर बंद हुए। यह पिछले दिन के 23.12 के बंद भाव से 3.37त्न की गिरावट थी। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम मूल्य 24.30 और निम्नतम मूल्य 16.02 रहा। यस बैंक शेयर में 6 महीने में 18.70 फीसदी का उछाल देखने को मिला। वहीं 1 साल में 5.93% का रिटर्न दिया है। 5 साल में यह 76.60% तक उछला है।

Flipkart-Amazon पर सोने के सिक्के सस्ते में! खरीद पर मिल रहा गजब का डिस्काउंट

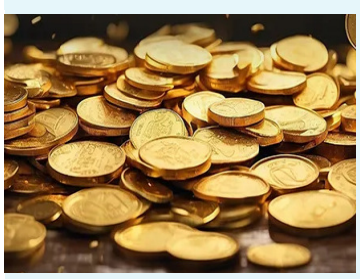

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज धनतेरस है और आज सोने की कीमतों में 3600 रुपए का जबरदस्त उछाल देखने को मिला। इन महंगी कीमतें को मद्देनजर यदि आपको डिस्काउंट या सोने के सिक्कों पर बढ़िया डील से पैसे बचाने का मौका मिल जाए तो कैसे हो।

हम आपको आज अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर क्या डिस्काउंट चल रहा है, उसकी यहां जानकारी दे रहे हैं। ताकि आप शुद्धता और कीमतों की तुलना करके अपने से फैसला ले सकें।

यहां 17 अक्टूबर तक टॉ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और ज्वेलरी ब्रांड्स पर सोने के सिक्कों की कीमतों की तुलना दी गई है।

1. अमेजन- अमेजन पर MMTC-PAMP का 24K (999.9) 8-ग्राम सोने का सिक्का 1,16,630 में मिल रहा है। एक अन्य विकल्प कल्याण ज्वेलर्स का 24K (999) 10-ग्राम सोने का सिक्का 1,41,014 में है। अमेजन RBL बैंक क्रेडिट कार्ड से पेमेंट पर 5 फीसदी का इस्टेंट डिस्काउंट (अधिकतम 1,000) शामिल है।

2. फ्लिपकार्ट- फ्लिपकार्ट पर MMTC-PAMP का 24K (999.9) 8-ग्राम सोने का सिक्का 1,14,480 में मिल रहा है। एक अन्य विकल्प PC ज्वेलर का 24K (995) 10-ग्राम सोने का सिक्का 1,40,492 में है। फ्लिपकार्ट SBI क्रेडिट कार्ड से भुगतान पर 750 की छूट शामिल है।

ICICI बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में कितना बढ़ा, आ गई दूसरी तिमाही की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ICICI बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई- सितंबर तिमाही में एकीकृत लाभ 3.2 फीसदी बढ़कर 13,357 करोड़ रुपये हो गया। ICICI बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 12,948 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकल आधार पर कर पश्चात लाभ 5.2 फीसदी बढ़कर 12,359 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11,746 करोड़ रुपये था।

अग्रिमों में 10.6 फीसदी की वृद्धि के कारण बैंक की मुख्य शुद्ध ब्याज आय 7.4 फीसदी बढ़कर 21,529 करोड़ रुपये हो गई। बैंक का शुद्ध ब्याज मुनाफा एक साल पहले की समान तिमाही के 4.36 फीसदी से घटकर 4.30 फीसदी रह गया। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात सुधरकर 1.58 फीसदी हो गया, जो इस वित्त वर्ष जून के अंत में 1.67 फीसदी था।

जीएनपीए अनुपात 1.97 प्रतिशत से घटकर 1.58 प्रतिशत हो गया, जबकि शुद्ध एनपीए अनुपात 0.39 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 0.42 प्रतिशत से थोड़ा कम है। शुद्ध एनपीए 5,827 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में यह 5,685 करोड़ रुपये था। तिमाही के लिए प्रावधान और आकस्मिकताएँ एक साल पहले के 1,233 करोड़ रुपये से लगभग 26 प्रतिशत घटकर 914 करोड़ रुपये रह गईं, जो बैंक की मज़बूत क्रेडिट प्रोफ़ाइल को दर्शाता है।

सरकार ने लिए अकाउंट में जमा सारे क्रिप्टो? अमेरिका की 1.17 लाख करोड़ रुपये की बिटकॉइन जब्ती ने खोली पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब तक आपने सुना होगा कि डिजिटल करेंसी गुमनाम होती है। इस पर कोई नियंत्रण नहीं होता है। लेकिन यह सबसे बड़ा भ्रम हाल ही में टूटता नजर आया। हाल ही में अमेरिका के न्याय विभाग ने 13.4 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के बिटकॉइन (करीब 1,17,854 करोड़ रुपये) जब्त किए हैं, जिससे बिटकॉइन की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

हालांकि ये बिटकॉइन कंबोडिया के एक कथित अपराधी से जब्त किए गए हैं। जिसका नाम चेन झी है। यह टाइकून पिग बुत्चरिंग नामक एक बड़े साइबर फ्रॉड रैकेट का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है।

चेन झी, जन्म चीन में हुआ है जो ब्रिटिश व कंबोडियन नागरिकता रखते हैं। इन पर वायर फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के आरोप हैं। उन्होंने कथित रूप से कंबोडिया में जबरन श्रम से काम करवाने वाले स्कैम कैंप्स चलाए। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने चेन के कब्जे से 127,271 बिटकॉइन जब्त किए, जो कि अब तक का सबसे बड़ा क्रिप्टो एसेट फॉरफीचर है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सतना में रिटायर्ड डीएसपी सहित तीन लोगों पर बिजली चोरी करने का केस दर्ज

सतना। सतना जिले के बिरसिंहपुर विद्युत वितरण केन्द्र के अंतर्गत आने वाले गुझवां गांव में शुक्रवार को विद्युत विभाग के जेई सुनील मिश्रा के नेतृत्व में विषुत विभाग की जांच टीम ने छापा मारते हुए सेवानिवृत्त डीएसपी समेत दो अन्य पर विद्युत चोरी का मामला दर्ज किया है। इस बड़ी कार्रवाई ने पूरे गांव में हलचल मचा दी है और अन्य लोगों में भी विद्युत चोरी को लेकर दशहत का माहौल है।

विद्युत विभाग की टीम के मुताबिक रिटायर्ड डीएसपी रामकीर्ति शुक्ला के परिसर में अवैध रूप से कटिया फांस कर बिजली का उपयोग किया जा रहा था। इस मामले में बिजली चोरी का एक प्रकरण दर्ज किया गया है।

इसी अभियान के तहत, गुझवा गांव के गुलाब गुप्ता के खिलाफ भी बिजली चोरी का एक अन्य प्रकरण दर्ज किया गया है।विद्युत वितरण केंद्र ने इन दोनों ही मामलों में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। जेई सुनील मिश्रा ने बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संब इंस्पेक्टर ने खरगोन में होटल में लगाई फांसी

खरगोन। अशोक नगर कोतवाली में पदस्थ सब स्पेक्टर अक्षय कुमार कुशवाह ने खरगोन में गोपाल होटल में फांसी लगाई। खरगोन कोतवाली टी आई बीएल मंडलोई और पुलिस बल मौके पर मौजूद । स्रस्रुकी टीम भी पहुंची।फ़िलहाल पुलिस ने अशोक नगर कोतवाली में सूचना पहुंचा दी है। परिजनों के पहुंचने पर आगे की करवाई की जायेगी। बताया जा रहा है अक्षय कुशवाह गुना जिले का रहने वाला है और अशोक नगर कोतवाली में पदस्थ थाखरगोन पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

जबलपुर के विजय नगर में 20 साल पहले बनी अवैध चौपाटी पर अब चला नगर निगम का बुलडोजर

जबलपुर। जबलपुर शहर में विजयनगर स्थित चौपाटी को अवैध करार देते हुए शुक्रवार को नगर निगम ने हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। सुबह-सुबह दल बल के साथ पहुंचे अतिक्रमण निरोधक दल ने बुलडोजर चलाकर विजयनगर सड़क के किनारे काबिज चौपाटी को हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान चौपाटी में खानपान के स्टॉल हटाते शेड को तोड़ना शुरू कर दिए।

इसके विरोध में चौपाटी संचालको ने सड़क पर धरना प्रदर्शन कर कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दी। पुलिस ने उन्हें बलपूर्वक हटाया और फिर उन्हें 2 घंटे की मोहलत दी गई, यह कहते हुए कि स्वयं अपना सामान हटा लें अन्यथा कार्रवाई के दौरान टूट-फूट हो सकती है। 2 घंटे पूरे होने पर नगर निगम ने अनाउंस करते हुए कारवाई शुरू कर दी है। विजयनगर चौपाटी करीब 20 साल पहले आबाद हुई थी, लेकिन उस समय नगर निगम ने ध्यान नहीं दिया और अब कार्रवाई कर रहा है।

पुलिस में कॉन्स्टेबल के बाद अब इन पदों पर भी होगी ट्रांसजेंडरों की भर्ती, 22 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

भोपाल। मप्र पुलिस में आरक्षकों के बाद अब उप निरीक्षक, सूबेदार, सूबेदार स्टेनोग्राफर और सहायक उप निरीक्षक अनुसचिवीय के पदों पर भी ट्रांसजेंडरों की भर्ती का प्रविधान किया गया है। इनकी भर्ती प्रक्रिया चल रही है, इसलिए आवेदन की तारीख बढ़ाने की आवश्यकता नहीं है। प्रदेश सरकार के पूर्व के नियमों के अनुसार इन्हें ओबीसी श्रेणी में रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के बाद प्रदेश सरकार ने नियमों में बदलाव किया है।

सरकार ने चार साल पहले जारी की थी अधिसूचना

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा व्यवस्था देने के बाद मप्र सरकार ने वर्ष 2021 में सभी विभागों में ट्रांसजेंडरों की भर्ती के संबंध में अधिसूचना जारी की थी, लेकिन पुलिस में इनकी भर्ती नहीं हो रही थी। सुरक्षा से जुड़े विषय का हवाला देकर गृह विभाग भर्ती से बचता रहा, जबकि इसी दौरान दो बार में क्रमशः 6000 और 7500 आरक्षकों की भर्ती हो चुकी है।

ओबीसी के लिए आरक्षित पदों में भी इन्हें मौका दिया गया। अभी पुलिस आरक्षकों के 7500 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है, पर आवेदन की आखिरी तारीख बीत जाने के कारण इसे बढ़ाकर 22 अक्टूबर किया गया है।

कई राज्यों में चल रही है ट्रांसजेंडरों की भर्ती

उप निरीक्षक और सूबेदार के 500 पद और सहायक उप निरीक्षक अनुसचिवीय एवं सूबेदार स्टेनाग्राफर के 500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, इसलिए आवेदन की तारीख नहीं बढ़ाई गई है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में इन्हें चिकित्सा प्रमाण के अनुसार महिला या पुरुष श्रेणी में रखा जाएगा। बता दें कई राज्यों में पहले से पुलिस में ट्रांसजेंडरों की भर्ती चल रही है।

पुलिस ने जुआ खेलते आधा दर्जन जुआरियों को दबोचा; 76,000 कैश समेत कार-मोबाइल जब्त

नरसिंहपुर। जिले के मुंगवानी थाना क्षेत्र अंतर्गत भंडारदेव जंगल में चल रहे 52 पत्तों के जुए के अड्डे पर मुंगवानी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर मौके पर दबिश देकर 6 जुआरियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

जब्त सामग्री-पुलिस ने जुआरियों के पास से 76 हजार रूपये नकद के साथ-साथ 8 मोबाइल फोन, 1 कार और 2 मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं।

पकड़े गए जुआरियों के नाम-धनराज लोधी (गाडरवारा), प्रशांत शर्मा (गाडरवारा), रामकुमार मेहरा (उदयपुरा), सुनील चौधरी (खैरीनाका), कमलेश बंजारा (स्टेशनगंज), रूपेश नामदेव (स्टेशनगंज)

छापेमारी की कार्रवाई-पुलिस को लंबे समय से भंडारदेव जंगल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जुआ खेलने की सूचना मिल रही थी। इस पर संज्ञान लेते हुए मुंगवानी थाना पुलिस ने एक टीम गठित कर अचानक मौके पर छापा मारा और सभी आरोपियों को जुआ खेलते हुए रंगेहाथ पकड़ा।

दो दोस्तों ने स्टेटस पर लिखा- ओम शांति और The End, कुछ देर बाद मिली एक की लाश, दूसरे की अस्पताल में मौत

देवास। औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत शिप्रा क्षेत्र के गांव सुनवानी महाकाल में गुरुवार देर शाम को उस समय सनसनी फैल गई जब दो युवक शिप्रा श्मशान के पास गंभीर हालत में मिले। बाद में इनमें से एक की मौत हो गई। इंदौर में उपचार के दौरान दूसरे युवक की भी मौत की जानकारी सामने आई।

बताया जा रहा है कि दोनों दोस्तों ने मौत से कुछ ही देर पहले दूध डेयरी पर दूध दिया। इस दौरान अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर स्टेटस लगाए...ओम शांति और ॐद्धद्ब श्वठ्ठस्, इसके साथ ही साथ ही डीपी ब्लैक की थी। एडिशनल एसपी, सीएसपी और टीआई की अलग-अलग टीम हर पहलू पर बारीकी से जांच पड़ताल कर रही है।उधर गांव के कुछ लोगों ने मामले में हत्या की आशंका जताई है। मौके से कुछ जहरीला पदार्थ भी मिला है। पीएम रिपोर्ट से मौत के कारण का खुलासा होने का उम्मीद है। घटनाक्रम की सूचना मिलते ही देवास से एएसपी जयवीरसिंह भदौरिया, सीएसपी सुमित अग्रवाल, टीआई शशिकान्त चौरसिया सहित भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा। दोनों का पोस्टमार्टम एमवाय अस्पताल में किया जाएगा।

औद्योगिक थाना क्षेत्र प्रभारी शशिकांत चौरसिया ने बताया कि विवेक और आशीष की मौत हुई है। स्वजन इनको सीधे इंदौर के अस्पताल ले गए थे। मामले में जांच की जा रही है अभी कुछ स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। बताया जा रहा है कि युवकों पर धारदार हथियार से हमला किया गया था।

घटनाक्रम से ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने पुलिस से मामले में जल्द दोषियों को पकड़ने की मांग की है। आक्रोशित लोगों द्वारा शव आने के पश्चात प्रदर्शन और रास्ता जाम करने की आशंका भी है।

नगरीय प्रशासन विभाग के आयुक्त श्री भोंडवे ने सिंहस्थ के विकास कार्यों की समीक्षा की

इंदौर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने शुक्रवार को ओंकारेश्वर में एनएचडीसी प्रशासनिक भवन के सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर सिंहस्थ-2028÷ के लिए स्वीकृत एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ के लिए स्वीकृत सभी कार्य समय सीमा में, गुणवत्ता के निर्धारित स्तर के साथ पूर्ण किए जाएं। बैठक में लोक निर्माण विभाग, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण, पर्यटन निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पुलिस विभाग और सेतु विकास निगम व विद्युत वितरण कंपनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने प्रस्तावित कार्यों के बारे में बताया। बैठक में खंडवा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, एसडीएम पुनासा श्री पंकज वर्मा और जनपद सीईओ डॉ. श्रीकृष्णा सुशिर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। नगरीय प्रशासन विभाग के आयुक्त श्री भोंडवे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल व्यवस्था, यात्री प्रतीक्षालय, अस्थाई शौचालय, अस्थाई चिकित्सालय, नर्मदा तट पर घाट निर्माण कार्य, अतिरिक्त पहुंच मार्ग, घाटों पर हाई मास्ट लाइट लगवाने, अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगवाने, पार्किंग एरिया विकसित करने तथा पांटून ब्रिज की व्यवस्था के प्रस्ताव तैयार कर वरिष्ठ कार्यालयों से स्वीकृत करा लें।

नगरीय प्रशासन विभाग के आयुक्त श्री भोंडवे ने निर्देश दिए कि मोरटक्काटुओंकारेश्वर मार्ग का शेष निर्माण कार्य से शीघ्रता से पूर्ण करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मोरटक्का से ओम्कारेश्वर आने वाले मार्ग पर जगह-जगह साइन बोर्ड लगाए जाएं तथा सड़क के आसपास श्रद्धालुओं के बैठने के लिए रोड फर्नीचर की व्यवस्था की जाए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओंकारेश्वर को निर्देश दिए कि सभी नावों की नंबरिंग कराएं तथा सभी ईट्रिक्शा और सभी ऑटो रिक्शा का रजिस्ट्रेशन करवाएं। नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री भोंडवे ने बैठक में निर्देश दिए कि अब ओंकारेश्वर में केवल सीसी रोड ही स्वीकृत किए जाएंगे। इस संबंध में आदेश जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कलेक्टर श्री गुप्ता से कहा कि नर्मदा नदी को प्रदूषित करने वालों पर अर्थदंड लगाने की कार्यवाही की जाए।

आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि अगले जून माह में ओंकारेश्वर नगर एवं इसके आसपास के ग्रामों में कुल 15 लाख पौधे लगाने के लिए विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा, इसके लिए आवश्यक तैयारी करें। आयुक्त श्री भोंडवे ने निर्देश दिए कि कोई भी नाले का पानी सीधे नर्मदा नदी में ना मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सेतु निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने पुल और झूला पुल का प्रयोगशाला में सैंपल भेज कर सिक्योरिटी ऑडिट कराया जाए।

आयुक्त श्री भोंडवे ने निर्देश दिए कि एसडीईआरएफ का बेस कैंप ओंकारेश्वर में स्थापित किया जाए और होमगार्ड के एक प्लाटून कमांडर का मुख्यालय ओंकारेश्वर ही किया जाए।

संभागायुक्त ने इंदौर विकास प्राधिकरण के प्रस्तावित एवं प्रचलित विकास कार्यों की समीक्षा की

इंदौर। संभागायुक्त सह प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में इंदौर विकास प्राधिकरण के प्रस्तावित एवं प्रचलित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्राधिकरण के पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) पर आधारित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. खाड़े के समक्ष आर्किटेक एवं कंसल्टेंट द्वारा स्टार्टअप और कन्वेंशन सेंटर का प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। बैठक में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने निर्देश दिए कि प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित योजनाओं को गुणवत्ता तरीके से संपादित किये जाये। इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परिक्षित झाड़े द्वारा प्राधिकरण की विभिन्न परियोजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारी एवं परियोजना से संबंधित एजेंसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुस्कुराहटों संग जगमगाई दीपावली- कलेक्टर शिवम वर्मा पहुँचे बुजुर्गों और दिव्यांगों के बीच

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने दीपावली पर्व की शुरुआत एक अनोखे और संवेदनशील रूप में की। परदेशीपुरा स्थित समाज कल्याण परिसर में जब वे बुजुर्गों, दिव्यांगों और भिक्षुकों के बीच पहुँचे, तो वहाँ का हर कोना भावनाओं और अपनेपन की रोशनी से जगमगा उठा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बुजुर्गों और दिव्यांगजनों से आत्मीयता से मुलाकात की, उनसे सहज भाव से बातचीत की और उनकी समस्याएँ व जीवन के अनुभव सुने। जैसे ही उन्होंने मिठाइयाँ बाँटीं और नए वस्त्र उपहार में दिए, बुजुर्गों के चेहरे पर चमक और दिव्यांगजनों की आँखों में गहरी खुशी झलकने लगी। उन्होंने सभी के साथ फुलझड़ियाँ जलाकर दीपावली का पर्व मनाया। इस दौरान परिसर में हंसी-खुशी और स्नेह का अद्भुत माहौल बना रहा। उन्होंने सभी को आत्मीयता के साथ मिठाई भी खिलाई। समाज कल्याण परिसर में बुजुर्गों की आशीर्वाद भरी मुस्कान और दिव्यांगजनों की प्रसन्नता ने इस पर्व को और भी विशेष बना दिया।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने भावुक शब्दों में कहा कि मैं बेहद सौभाग्यशाली हूं, आज मैं जब इनके बीच आया हूँ तो मन को अपार शांति और प्रसन्नता मिल रही है। बुजुर्ग हमारे अनुभव, संस्कार और आशीर्वाद के स्रोत हैं। उनके स्नेह और आशीर्वाद से ही समाज प्रगति करता है। हमें सदैव उनका आदर करना चाहिए। बुजुर्गों का सम्मान हमारी संस्कृति है।

भिक्षुक प्रवेश केंद्र का अवलोकन- इसके बाद कलेक्टर श्री वर्मा ने इसी परिसर में स्थित भिक्षुक प्रवेश केंद्र का भी निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने भिक्षुकों को मिठाई वितरित की और दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने केंद्र में संचालित रोजगारमूलक प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी ली, जहाँ भिक्षुकों को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र में भिक्षुकों द्वारा बनाए गए सजावटी दीयों, रंगोली सामग्री और अन्य साज-सज्जा के सामान को देखा और उनकी सराहना की। कलेक्टर ने स्वयं इन वस्तुओं को खरीदकर आत्मनिर्भरता के इस प्रयास को प्रोत्साहन दिया। उन्होंने कहा कि त्योहार का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होता है जब हम खुशियाँ बाँटें। इन सजावटी वस्तुओं में केवल रंग ही नहीं, आत्मनिर्भरता की चमक और आत्मसम्मान की भावना झलकती है।

फटाखों की अस्थाई दुकानों के स्थल पर सुरक्षात्मक उपाय कराये जाए सुनिश्चित

इंदौर। फटाखों की अस्थाई दुकानों के स्थल पर राज्य शासन के गृह विभाग द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन कराते हुए सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित कराये जाए। यदि कहीं लापरवाही या अनियमितता मिलती है तो तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री शिवम वर्मा द्वारा जिले के सभी एसडीएम को दिए गए हैं।

इस संबंध में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री रोशन राय द्वारा सभी एसडीएम को पत्र जारी किया गया है। पत्र में कहा गया है कि दीपावली पर्व के दौरान अनुज्ञप्तिधारियों से अस्थाई शेड में बनी दुकानों में सभी तरह के सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित कराये जाए। दीपावली पर्व पर जान-माल की सुरक्षा को देखते हुये अस्थाई शेड में बनी दुकानों से आतिशबाजी के विक्रय हेतु अस्थाई अनुज्ञप्तियों को जारी करने के समय विस्फोटक नियम 2008 के प्रावधानों के अन्तर्गत सुरक्षात्मक उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाए। आतिशबाजी को सुरक्षित एवं अज्वलनशील सामग्री से बने शेड में रखा जाये। आतिशबाजी के विक्रय हेतु बनी अस्थाई दुकानें, एक दूसरे से 3 मीटर की दूरी पर एवं किसी संरक्षित स्थलों से 50 मीटर की दूरी पर हो।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से लाभान्वित ज्योति नानेरिया महिलाओं को दे रही है प्रेरणा

इंदौर। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में संचालित की जा रही मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से कई महिलाओं की न केवल आर्थिक स्थिति सुधरी बल्कि वे आत्मनिर्भर होकर दूसरी महिलाओं को भी स्वालम्बन बनने की प्रेरणा दे रही हैं। ऐसी ही इंदौर जिले के मालवा मील गोमा के क्षेत्र में रहने वाली श्रीमती ज्योति नानेरिया है, जो मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत मिलने वाली राशि से आज आत्मनिर्भर होकर सुखी जीवन जी रही है। हायर सेकण्डरी उत्तीर्ण श्रीमती ज्योति नानेरिया ने बताया कि मैं जून 2023 से मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से लाभान्वित हो रही हूं। इसके पूर्व मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। पति मजदूरी का कार्य करते थे और मेरे दोनों बच्चों का पालन-पोषण भी मुश्किल से हो रहा था। कई तरह की आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। मैंने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से प्रतिमाह प्राप्त राशि की जमा पूंजी से एक सिलाई मशीन खरीदी। सिलाई मशीन से सिलाई का कार्य शुरू किया और यह व्यवसाय चल निकला। सिलाई मशीन से अच्छी आमदनी होने लगी। इससे मेरे जीवन में बड़ा आर्थिक और सकारात्मक बदलाव आया। अच्छी आमदनी होने से मेरा और परिवार का आज अच्छे से गुजर-बसर हो रहा है। अब मेरे पति भी फलों का ठेला लगाते हैं और इससे उनकी भी अच्छी आमदनी हो रही है। मेरे दोनों बच्चे भी अच्छे स्कूलों में शिक्षा और संस्कार ग्रहण कर रहे हैं।

दीपावली पर्व पर फटाकों के निर्माण, विक्रय और उपयोग में हो उच्चतम न्यायालय तथा हरित प्राधिकरण के आदेशों का पालन

इंदौर। इंदौर जिले में जिला प्रशासन द्वारा निर्देश दिए गए है कि दीपावली पर्व के दौरान फटाकों के निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण एवं प्रस्फोटन के संबंध में मानक संचालक प्रक्रिया अनुसार उच्चतम न्यायालय एवं हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन भोपाल द्वारा जारी आदेशों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दीपावली पर्व के दौरान फटाकों के निर्माण, उपयोग, विक्रय वितरण एवं प्रस्फोटन के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई। एडीएम श्री रोशन राय ने बताया कि इस संबंध में सभी एसडीएम को पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। निर्देश में कहा गया है कि दीपावली पर्व के दौरान फटाकों के निर्माण, उपयोग, विक्रय, वितरण एवं प्रस्फोटन के संबंध में मानक संचालक प्रक्रिया अनुसार उच्चतम न्यायालय एवं हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोन भोपाल द्वारा जारी आदेशों का अनिवार्य रूप से पालन कराया जाए। उक्त समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करवाने एवं अनियमितता या शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर विधि सम्मत दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाये। बताया गया कि दीपावली पर्व के समय रात्रि 08 से रात्रि 10 बजे तक ग्रीन फटाकों का उपयोग सिर्फ उन शहरों में किया जा सकता है, जहाँ नवम्बर 2021 की स्थिति में वायु गुणवत्ता सूचकांक मध्यम अथवा उससे कम श्रेणी की हैं। माह नवम्बर 2021 के दौरान यदि वायु गुणवत्ता सूचकांक (Air Quality Inde&) Poor & above Category वाले सभी शहरों में फटाकों पर पूर्णतः प्रतिबंध लागू रहेगा। फटाकों का प्रस्फोटन संवेदनशील क्षेत्रों जैसे = अस्पताल, नर्सिंग होम्स, हेल्थ केयर सेंटर, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों इत्यादि से 100 मीटर की दूरी तक प्रतिबधिंत है, जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस यह सुनिश्चित करेंगे कि संवेदनशील क्षेत्रों के 100 मीटर की दूरी तक फटाकों का प्रस्फोटन न हो। ग्रीन फटाकों हेतु Petroleum & E&plosive Safety Organisation (PESO) ß National Environmental Engineering Research Insitiute (NERI) द्वारा स्वेच्छिक वर्गीकरण किया जाता है जिसमें फटाकों के पैकिंग पर लोगो प्रिंट रहता है तथा पंजीकृत निर्माताओं की सूची NEERI की वेबसाईट पर उपलब्ध है। ग्रीन फटाकों के अंतर्गत फुलझडी, अनार व मेरून आते हैं।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में धनतेरस पर भगवान कुबेर और भगवान धन्वंतरी के पूजन से शुरू हुआ दीपोत्सव

कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज और वित्त नियंत्रक श्री तोमर ने भगवान कुबेर एवं धन्वंतरी का पूजन कर मांगी विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति

उज्जैन। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में 18 अक्टूबर को, दीपावली के पंच दिवसीय महापर्व दीपोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया गया। धनतेरस के अत्यंत शुभ अवसर पर यह शुरुआत धन के देवता भगवान कुबेर और स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरी के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चना से हुई।विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज और वित्त नियंत्रक श्री जुवान सिंह तोमर ने भगवान कुबेर और भगवान धन्वंतरी के पूजन में संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार की समृद्धि, कल्याण और शैक्षणिक उत्थान के लिए पूजा-अर्चना कर उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की।

विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव (लेखा) श्री अभिषेक मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि, यह दीपोत्सव प्रति वर्ष की तरह इस बार भी विश्वविद्यालय के लेखा और वित्त विभाग के सभाकक्ष में प्रारंभ किया गया।सर्वप्रथम, विद्वान पंडित बद्रीलाल पाठक द्वारा शुभ मुहूर्त में दोनों विभागों के लिए कलश स्थापना की गई। इसके उपरांत महालक्ष्मी, भगवान कुबेर, भगवान धन्वंतरी, भगवान गणेश और भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापना कर उनका आवाह्न किया गया। मुख्य पूजन भगवान कुबेर, जो धन-संपदा के संरक्षक हैं, और भगवान धन्वंतरी, जो आरोग्य के प्रदाता हैं, के रूप में प्रारंभ किया गया।

इस पूजन प्रक्रिया में कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज और वित्त नियंत्रक श्री जुवान सिंह तोमर ने विधि-विधान से कलश पूजन, आवाह्न, षोडशोपचार (सोलह प्रकार से पूजा) और श्री वृद्धि की कामना से विशेष अनुष्ठान पूर्ण किया। इस दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की गई।पूजन के पश्चात, कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ÷यह दीपावली पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियों से परिपूर्ण हो और वर्षभर महालक्ष्मी का चिरस्थायी आशीर्वाद हम सब पर बना रहे।विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने भी दीपोत्सव के इस पावन अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार को उन्नति और प्रगति प्रदान करने की कामना के साथ अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।वित्त नियंत्रक श्री जुवान सिंह तोमर ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, हमारी यही कामना है कि यह दीपावली पर्व सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय परिवार को नई ऊंचाइयां प्रदान करे और निरंतर उन्नति एवं प्रगति के पथ पर अग्रसर रखे।

पुणे के कोलते परिवार ने महाकालेश्वर को अर्पित किया राजघराना उट्टन

रजत पात्र में अर्पित किया 18 लाख राशि का राजघराना उट्टन दीपावली पर बाबा महाकाल को भस्मारती में चढ़ेगा

उज्जैन। धनतेरस के शुभ अवसर पर महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में पुणे के डॉ. सागर, डॉ. साधना, साराध्य, साध्या, सात्विक कोलते परिवार द्वारा राजघराना उट्टन अर्पित किया गया। लगभग 18 लाख राशि का यह अद्वितीय राजघराना उट्टन हर साल की तरह इस वर्ष भी श्री महाकालजी को दीपावली पर होने वाली भस्मारती में अर्पित किया जाएगा।

प्रतिनिधि मुरली मनोहर जोशी ने बताया कि पुजारी राजेश गुरू, पुजारी आकाश गुरू द्वारा दीपावली 20 अक्टूबर की सुबह भस्मारती में राजघराना उट्टन चढ़ाया जाएगा। पुणे के डॉ. सागर, डॉ. साधना, पुत्र साराध्य, पुत्री साध्या, चिरंजीवी पुत्र सात्विक कोलते द्वारा दिवाली के शुभ अवसर पर चिरंजीवी पुत्र सात्विक कोलते के प्रथम वर्धापन दिन तथा नये कार्यालय नीव प्रगति, अमूल्य धातू संग्रहण तथा परिवर्तन उन्नति के स्थापना स्वरूपी 18 लाख राशि का राजघराना उट्टन रजत पात्र में अर्पित किया गया। इस 18 लाख राशि के राजघराना उट्टन में शुध्द हिरक भस्म (डायमंड), स्वर्ण भस्म, स्वर्ण, रजत भस्म, पुष्कराज, नीलम रत्न, भौतिक भस्म, चंदन तथा दुर्लभ दिव्य वनस्पति के संयोग से मिश्रित करके रजत पात्र में चढ़ाया गया।

यह राजघराना उट्टन नवजन्मीत बालक के कांति समान, दिव्य तेज, कांती, आयु प्रदान करता है। यह बहुत ही दिव्य स्वरूपी है। आयुर्वेद के सप्तत्वचा कांतीवर्धन का दिव्यस्वरूपी एक योग है।

15 वर्ष से कम उम्र के बच्चो में पटाखों से सम्बंधित आँख की चोटों के लिए निःशुल्क परामर्श और सर्जरी

उज्जैन। एएसजी आई हॉस्पिटल, उज्जैन के इन्चार्ज डॉ हिमांशु ने आज दिनांक 18 अक्टूबर को प्रेस वार्ता कर यह बताया कि ए एस जी आई हॉस्पिटल ओनली द बेस्ट दिवाली सीजन के लिए अपनी विशेष पहल की घोषणा करते हुएउत्साहित है उत्सव के दौरान पटाखों से सम्बंधित दुर्घटनाओं के जोखिम को ध्यान में रखते हुए अस्पताल 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चो में आँख की चोटों के लिए निःशुल्क परामर्श और आवश्यक सर्जरी की पेशकश कर रहा है यह सेवा 15 से 24 अक्टूबर 2025 तक सभी एएसजी आई हॉस्पिटल केन्द्रो पर उपलब्ध होगी सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करने के लिए, मरीजों को केवल फार्मेसी, ऑप्टिकल और एनेस्थीसिया सेवाओं के लिए लागत वहन करनी पड़ेगी।

दीपावली पर शहर की शहीद प्रतिमाएँ होंगी दीपों से रोशन

उज्जैन। राष्ट्रकवि, देश के स्वाधीनता सेनानियों पर 18 महाकाव्य रचने वाले स्व. श्रीकृष्ण सरल दीपावली पर्व पर उज्जैन शहर में स्थित शहीदों/स्वाधीनता सेनानियों की प्रतिमाओं को दीपक के प्रकाश से रोशन करते थे।

उनसे प्रेरणा लेते हुए शहर की साहित्यिक संस्था सरल काव्यांजलि ने वर्ष 2011 से इसी कार्य को समारोहपूर्वक करने का निर्णय लिया।

जानकारी देते हुए संस्था के महासचिव सन्तोष सुपेकर ने बताया कि इस वर्ष मुख्य कार्यक्रम सोमवार, 20 अक्टूबर को दीपावली की शाम छह बजे विद्यानगर, इंदौर रोड स्थित आजाद उद्यान में अमर शहीद श्री चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर आयोजित होगा। इसके बाद संस्था सदस्य अपने नजदीक की शहीद प्रतिमाओं पर दीपक जलाने जाएंगे। श्री सुपेकर ने शहर के नागरिकों से इस अवसर पर उपस्थित रहने और शहीद प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन करने की अपील की है।

21 अक्टूबर से तीन दिन होलसेल किराना बाजार बंद रहेगा

उज्जैन। उज्जैन की सबसे बडी व्यापारिक संस्था दौलतगंज होलसेल किराना मर्चेन्ट एसोसिएशन की साधारण सभा अध्यक्ष अजय रोहरा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

इस साधारण सभा में निर्णय लिया गया कि होलसेल किराना बाजार दीपावली बाद 21-22-23 अक्टूबर को पूर्ण रुप से बन्द रहेगा। 24 अक्टूबर शुक्रवार को प्रातः 10 बजे वरिष्ठ व्यापारी सम्मान समारोह होगा। इसके पश्चात किराना बाजार में मोहरत के सौदे होंगे। सचिव आशीष जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल फिरोजिया सांसद, अनिल कालूहेड़ा विधायक, कलावती यादव अध्यक्ष, नगर निगम उज्जैन, मुकेश टटवाल महापौर, नगर निगम, उज्जैन विशेष रुप से पधार रहे है। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यापारी अशोक छाबड़िया फर्म मे. मंगुमल वसुमल, मुन्नालाल बंसल फर्म मे. प्रांजल ट्रेडर्स का सम्मान किया जावेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील संस्था के सलाहकार संजय अग्रवाल, संस्था अध्यक्ष अजय रोहरा, अशोक जैन, जयप्रकाश राठी, रौनक अग्रवाल, राधारमण नागर, दीपक मेडतवाल, ऋषभ जैन, सूरज सामदानी, नवीन कांकरिया, शैलेन्द्र परमार, जवाहर सनमुखानी, मुकेश सोनगरा, अभय जैन, रवि नाटानी इत्यादी ने की है।

सुदूर पूर्व अफ्रीका कांगो के युवा उद्यमी का सम्राट विक्रमादित्य विवि में प्रेरक व्याख्यान

अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस - रणनीतिक चुनौतियाँ एवं व्यूह रचना

उज्जैन। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के पं. जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के अवसर पर ÷रणनीतिक चुनौतियाँ एवं व्यूह रचना÷ विषय पर विशेष परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भारद्वाज ने अपने शुभकामना व आशीर्वचन वक्तव्य में कहा कि गरीबी एक वैश्विक चुनौती है, और संयुक्त राष्ट्र के अनुसार आज भी 69 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक आय की गरीबी (प्रति दिन 2.15 डॉलर से कम) में जीवन जी रहे हैं। विश्व की लगभग आधी जनसंख्या प्रतिदिन 6.85 डॉलर से कम पर जीवन यापन कर रही है, जिससे वे स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में कमी जैसी बहुआयामी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। प्रो. भारद्वाज ने कहा कि इस दिशा में संस्थान द्वारा सतत विकास लक्ष्य-1 (स्डत्र-1) के संदर्भ में किया गया यह आयोजन अत्यंत सामयिक, प्रेरक और ज्ञानवर्धक है।

पूर्वी अफ्रीका के उद्यमी इंजी. आशीष मोहिते ने साझा किए जमीनी अनुभव इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं फैसिलिटेटर प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता ने सुदूर पूर्व अफ्रीकी राष्ट्र डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो की राजधानी किंशासा में कार्यरत भारतीय युवा उद्यमी इंजी. आशीष मोहिते का परिचय देते हुए कहा कि विश्व में लगभग 1.1 अरब लोग तीव्र बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे हैं और आज भी एक बड़ी आबादी असुरक्षित जीवन जीने को मजबूर है।

मुख्य वक्ता इंजी. आशीष मोहिते ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को प्रस्तुत करते हुए बताया कि वहाँ लगभग 77त्न आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रही है। शिक्षा की स्थिति भी चिंताजनक है, क्योंकि देश की साक्षरता दर केवल 77त्न है और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के चलते जीवन प्रत्याशा मात्र 60 वर्ष है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। दुनिया का सबसे गरीब आधा हिस्सा जहाँ उत्सर्जन में सबसे कम योगदान देता है, वहीं जलवायु संकट से होने वाली आय की हानि का बड़ा भार भी वही वहन करता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य-1 का उल्लेख करते हुए कहा कि ÷सभी रूपों में और हर जगह गरीबी समाप्त करना÷ समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

पटाखा व्यापारियों ने किया विधायक का सम्मान

उज्जैन। महाकाल खेरची पटाखा मार्केट में विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा का साफा बांधकर, मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया।

सम्मान समारोह में कार्यक्रम का अध्यक्षता करते हुए महेंद्र कटियार ने व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं से विधायक श्री कालूहेड़ा को अवगत कराया। संचालन प्रमोद वैश्य ने किया। इस दौरान हेमंत कश्यप, सत्यनारायण पोरवाल, गोविंद राव, प्रदीप सिसोदिया, जितेंद्र गुप्ता, सिसोदियाजी, सलीम खान, यूनुस भाई, सफी भाई आदि मौजूद रहे। शेरू भाई ने आभार व्यक्त किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com